माफी के खोजी

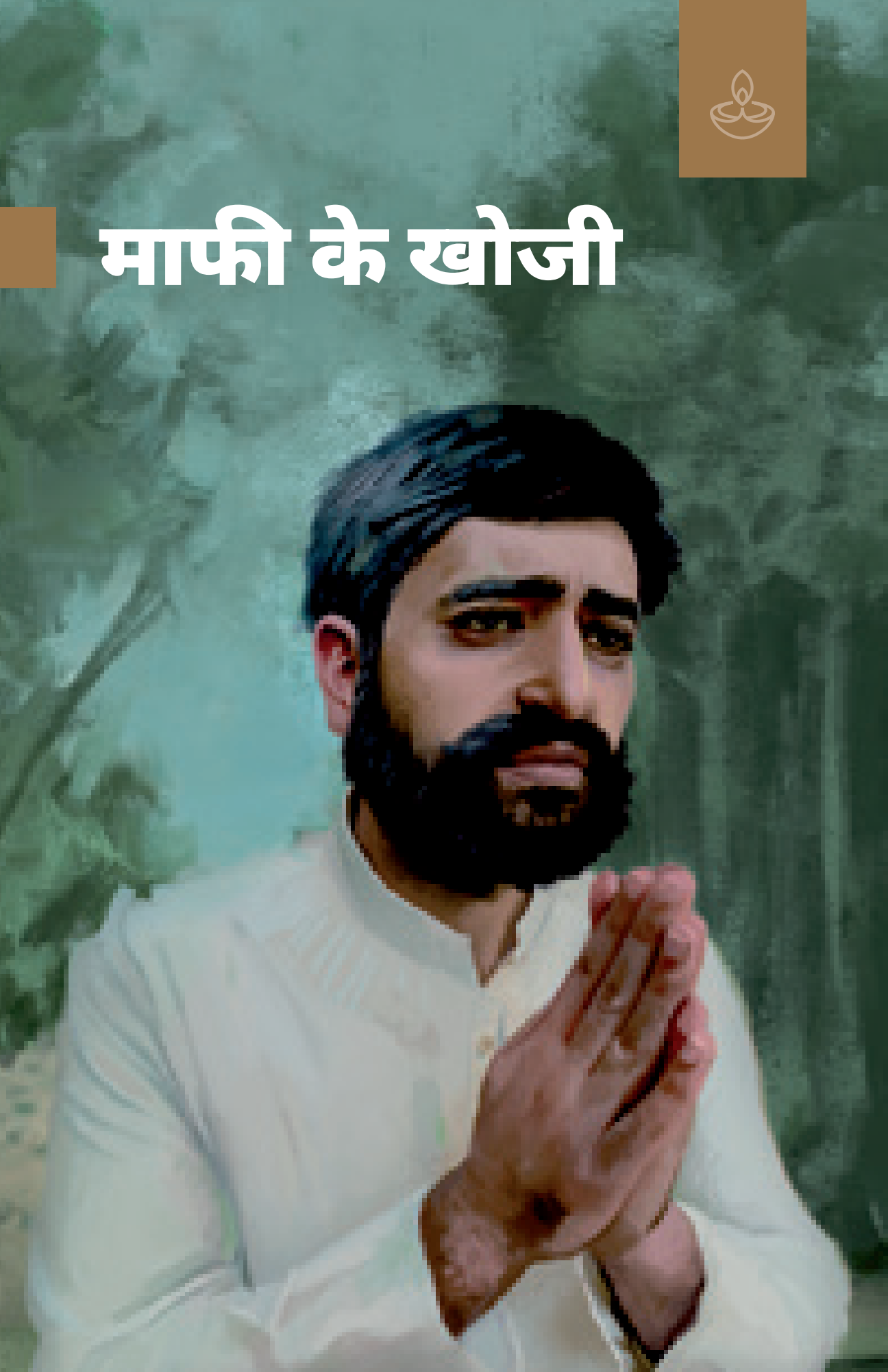

प्रताप एगो बहुत बडका धनिक जमिन्दारके बेटा रहलक। ऊ सब एगो बडका आलिसान घरमे रहिछै। और काम करेलागि बहुत नोकर चाकर रखले हे। प्रताप के लागि हरदिन वढिया वढिया पेन्हेला कपडा, खायला खानाके भिन भिन परिकार, और क्वालिटी शिक्षाके ब्यबस्था है। प्रताप जनितछै कि ओकरा ओकर बाबुमाई बहुत प्यार करीछै खास करके ओकर बाबु।

लेकिन प्रताप जौ जौ बरका होइत गेलइ तौ तौ बदलते गेलइ। अब ओकरा पुरणका तौर तरिका सब खराब लागेलगलै। प्रतापके पापाके बडका घर आ पापाके पुरणका रहनसहन प्रतापके अइसे लागेलगलइ जइसे प्रतापके घरसे बाधके रखले है। प्रताप स्वतन्त्रता के गुहार लगलकै।

एक दिन, प्रताप अपना माई से गुहार लगलकै एगो खास अर्जी लेके पापा के पास जायला। जब ऊ अपना माईके कहलकइ कि उ कथि चाहिछै ओकर माई डर गेलई कि कइसे एतेक बरका बात प्रतापके बाबुके बततै। लेकिन प्रताप अपना माईके एतना न प्रेशर देलकै जवतक ओकर माई रेडि न होगेलई। ई कई दिन लेलक, पर अंत मे ऊ रोइत-रोइत वापस आलै।

“ऊ ई करबैत,” ओकर माँ कहलैक, अपन बेटा के देख में असमर्थ। “तोहर पापा हमरा आधा सम्पत्ति बेचबैत आ तोहरा के तोहर विरासत देबैत। पर काहे, हमर बेटा? काहे?”

प्रतापके तन्का तन्का दुख भेलई लेकिन जादा ऊ खुशि भेलई एहिसे कि ओकर मुराद पुरा होयबाला है।

प्रतापके प्लान काम करगेलई। ऊ अपन हिस्साके भाग लेके अपना मनपसन्द जीवन जितई।

प्रतापके सांसारिक सहरीया जीवन

प्रताप अपना हिस्साके सारा सम्पति लेके बहुत बडका सहरमे रहे चल गेलई। सहरमे जाके महँगा ऐशवाला घरलेके नया नया दोस्त सब बनाबे लागल। आ जल्दीए ऊ पार्टी देबेलागल, ओइसे आउर धनीक आ मसहुर लोगके आकर्षित करेलागल। फेर कार किनलक, सुन्दर सुन्दर महिलासबके साथ रात वितयलक और महँगा होटलमे खाना खायेके दिनचर्या बनालेलक। अब ओकरा पास सब चीज रहे जे ओकरा ख्वाइस रहे।

लेकिन एक दिन प्रतापके सब रुपैया खतम होगेलक। लजाइते ऊ अपना दोस्तसबसे तन्का रुपैया कर्जा मगलकइ लेकिन कठिन समयमे मद्धत करेके सट्टा सब ओकर फोन उठाबल बन्द करदेलै। ऊ अब अपन बीलके पैसा भी तिरेमे असमर्थ होगेल है। आखिरकार बील न तिरलाके कारणसे मकान मालिक प्रतापके बाहर निकाल देइछै। बीना रुपैया आ बीना दोस्तके प्रताप काँहा जतई अब?

प्रताप असमंजस और बेचैन भेके सारा सहर बौवाइत रहलक। जखन सूरज डूबे लागलक, ओ डर गइलक। काहा ऊ सुततै? काहा ऊ खाना खतै? अपना जीवनमे पहिलाबेर प्रताप रोडपे सुत्लै, ओकर पेट भुखसे गुरगुरायल लागेल।

पछतावा झेलए के

अगला कुछ दिनतक प्रताप नोकरी खोजेके कोशिश करेलगलक ओइ सहरमे। सडकपर सुत्ते सुत्ते ओकर शरीर गन्दा और पुरान देख्लाके, कारन कोइ प्रतापके नोकरी नदेलक सिवाय एगो पुरान होटल के अलावा। खाना खायबालाके लागि खाना पुगाबेके आ टेबल साफ करेके काम प्रताप घंटो घंटातक करते रहे। ओकरा बहुत कसके भुख और थकान के महसुस भेलक। ओकरा

जब हम कोनो गल्ती करिछि चाहे ऊ केतनो बरका भारि गल्ती कयला न होय, हमनी सबके परमेश्वरके पास जायके चाहि। हमनीके कोनो बरका बलिदानी देबेके आ बरका पुजाआजा करेके जरुरी न है। परमेश्वर अपन दुनु हाथ खोलके हमनीके आबेके इनतजार करितरहीछै।

बहुत आश्चर्य होयल कि एगो धनिक जमिन्दारके बेटा केना दोसराके खाना परोसतइ होटलमे। जव सबसे लास्टके खाना खाके चलगेल तब प्रताप किचेनमे गेल

जुठ बरतन धोयलागि। ओकरा एगो पलेटमे आधा रोटी खायल नजर आयल। प्रतापके एतना न भुख लागेलइ की ऊ आधा खायल रोटी लगभग लेबेला पहुचगेलैइ।

हमरा में का गलती बा? ऊ अपने आप के गाली देलक। यहातक कि हमरा पापाके घरमे नोकर सबके खायलाभि बहुत रोटी रहिछै और खयलाकेबाद उबरभि जाइछै। और हम यहाँ यी ई गंदा बचल खाना के लालच में बानी!

ऊ खायल बर्तन ढेरीके तरफ घुरके लम्बा समय तक सोचे लागल।

हम जानलीं कि हम की करब, ऊ सोचल। हम अपना पापाके यहा जबइ "पापा, हमरासे बहुत बरका पाप होगेलो तोहरा आ परमेश्वरके खिलाफ। अब हम तोहर बेटा के लायक न छियओ। प्राथना करिछियो हमरा अपन एगो नोकर बनाला।"

प्रताप बिना बर्तन धोयले, ऊ होटल छोडके घरके ओर चलदेलकै।

प्रतापके घर वापसी

प्रताप बहुत चीजके बारेमे बिचार करते गेल घरके ओर। जइसे ओकर पापा केना ब्यबहार करतइ जब ऊ अपना बेटाके देखतइ। प्रताप कथि बोलेके हइ घर पुगलाके बाद सब पैरक्टिस करलेलकइ लेकिन तइयोन ओकरा अछा लगित रहलइ। आखिरमे, एक लम्बा सफरके बाद, प्रतापके अपना पापाके घर

देखायलगलइ हल्का दुरीयसे। ऊ धीरे धीरे रोडके ओर बढलक।

अचानक प्रताप केकरो जोरसे बोलेके अवाज सुनलई। प्रतापके पापा जोन सबदिनसे सरल स्वभाव और प्रतिष्ठत रहलै ऊ घरसे बाहर भागके अयलक। ओकर पापा प्रतापके पास आके जोरसे गला लगालेलक। प्रतापके अइसन लागल जइसेकि ओकर दिल टुट जतै।

"पापा" प्रताप कनते कनते कहलक "पापा हमरासे बहुत बरका पाप होगेलो तोहरा आ परमेश्वरके बिरुद्ध। अब हम तोहर बेटा के लायक न छियओ।"

पापा अयसे रिएक्ट कैलक जइसे उ कुछो सुनबे न कैलक। लोर ओकरा आँखसे मुहपर होइत बहे लागल। एकराबाद नोकर चाकर सबभि शोर सुनके दौडते आगेलइ।

"जल्दी!" पापा नोकर सबके बोललकइ "प्रतापके रुम रेडि कर अछासा कपडा लेके आ हमरा बेटा लागि। भोजके तयारी कर सबलोग, हम लोग बेटाके आबेके खुशिमे उत्सब मनाएब। यी हमर बेटा है, यी मरिओगेल रहलै लेकिन अभि जिन्दा है। यी भुलागेल रहलइ लेकिन अब हमरा मिलगेल है।"

माफी के आशा

यी कहानी प्रभु यीशु मसीह द्धारा कहल एक दृष्टाँत पर अधारित हइ। जेइमे बतायलगेल है कि हम बनाबेबला परमेश्वरसे माफी केना प्राप्त करसकइछै। जव हम कोनो गल्ती करिछि चाहे ऊ केतनो बरका भारि गल्ती कयला

न होय, हमनी सबके परमेश्वरके पास जायके चाहि जइसे प्रताप अपना पापा के पास गेलइ। हमनीके कोनो बरका बलिदानी देबेके आ बरका पुजाआजा करेके जरुरी न है। परमेश्वर अपन दुनु हाथ खोलके हमनीके आबेके इनतजार करितरहीछै। यी एक प्रकारके हृदय परिवर्तन हइ जेकरा सबसे जादा महत्ब देलजाइछै। हमनीके बिनम्रसे अपन पापके स्वीकार करेके चाही, दिलसे पछताबा करे चाहि आ माफी मागेके चाहि। अहासब परमेश्वरके माफी के दिव्य चमत्कार के अनुभव करेला चाहबइ? अहा आइ अभि खुदसे कयल गलत काम से शुद्ध होसकइ छि। अहासब येइ ढंगसे प्राथना करसकइ छि:

हे परमेश्वर, हम अपना कयल पापसे बहुत दुख छि। कृपया हमरा माफी देदा और परमेश्वर यीशु मसीहके महान बलिदानके कारण हमरा हमर कयल सारा गलत कामसे शुद्ध करदा। हमरा एगो नयाँ आदमी बनादा। आमिन।

अगर अहा और प्रभु यीशु मसीह शिक्षाके बारेमे जाने चाहि छियइ त कृपया कनटैक्ट करु हमनीके जेकर कन्टैक्ट डिटेल एहि पेपरके पछाडि देल है।

Copyright © 2023 by Sharing Hope Publications. ई काम के बनि इजाज़त गैर-व्यावसायिक मकसद से छापल आ बाँटल जा सकेला।

और जानकारी

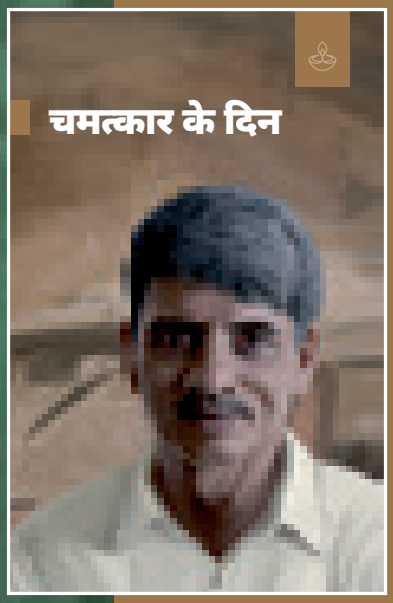

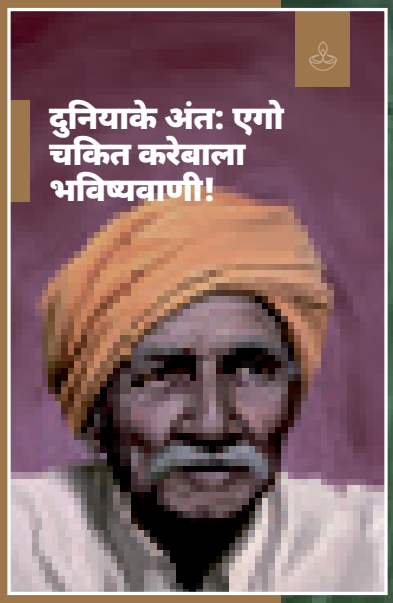

ओर जानल खातिर QR कोड के
स्कैन करीं ।